www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 200 | जौनपुर सोमवार, 08 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

चंडीगढ़, (एजेंसी)। लगभग दो दशक पुराने चर्चित रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने इस मामले में उन्हें बरी कर दिया है। हालांकि इस केस में दोषी ठहराए गए अन्य तीन आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की उम्रकैद की सजा को अदालत ने बरकरार रखा हैइस मामले में पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने वर्ष 2019 में गुरमीत राम रहीम समेत चारों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। फैसले के खिलाफ राम रहीम ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। अब हाईकोर्ट ने उस अपील पर सुनवाई करते हुए उन्हें इस मामले में राहत देते हुए बरी कर दिया है, जबकि बाकी तीन दोषियों की सजा में कोई बदलाव नहीं किया गया। हालांकि गुरमीत राम रहीम फिलहाल जेल से बाहर नहीं आएंगे, क्योंकि वे दो साध्वियों के साथ दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा काट रहे हैं और रोहतक की सुनारिया जेल में बंद हैं।यह मामला हरियाणा के सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या से जुड़ा है। रामचंद्र छत्रपति स्थानीय समाचार पत्र "पूरा सच" के संपादक थे। उन्होंने अगस्त 2002 में एक अज्ञात पत्र प्रकाशित किया था, जिसमें डेरा सच्चा सौदा के भीतर साध्वियों के साथ कथित यौन शोषण और दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगाए गए थे।

ओडिशा में लगभग 90 प्रतिशत मतदाता सूची मैपिंग पूरी : सीईओ गोपालन

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) आर.एस. गोपालन ने शुक्रवार को वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर लोगों को जागरूक करने की पहल शुरू की और राज्य के वोटरों, खासकर शहरी इलाकों के वोटरों से 2002 की वोटर लिस्ट में अपनी डिटेल्स वेरिफाई करने की अपील की। यहां हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोपालन ने कहा कि राज्य सीईओ ऑफिस अभी पूरे ओडिशा में 2002 की वोटर लिस्ट के साथ 2025 की वोटर लिस्ट में वोटरों की बड़े पैमाने पर मैपिंग और वेरिफिकेशन का काम कर रहा है।उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, 2002 की वोटर लिस्ट को 2025 की वोटर लिस्ट से मैप करने के लिए बेसलाइन के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने वोटरों से 2025 और 2002 की वोटर लिस्ट में अपने नाम वेरिफाई करने और बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को जरूरी डिटेल्स जमा करने की अपील की। ओडिशा सीईओ ने यह भी सलाह दी कि अगर किसी वोटर को 2002 की वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं मिलता है, तो वोटर अपने पिता या माता की डिटेल्स देकर मैपिंग करवा सकते हैं।अगर उन्हें 2002 की वोटर लिस्ट में अपना या अपने माता–पिता का नाम नहीं मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में करेंगे 33,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली में करीब 33,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। घ्मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मोदी कई स परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं में दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर शामिल हैं। पहला कॉरिडोर पिंक लाइन पर मजलिस पार्क–मौजपुर–बाबरपुर के बीच का है। यह लाइन राजधानी के कई

इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। दूसरा मजेंटा लाइन पर दीपाली चौक–मजलिस पार्क के बीच कॉरिडोर बना है। पीएम मोदी रविवार को फेज 5ए के तहत नए कॉरिडोर का भी शिलान्यास करेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के लिए सफर और आसान हो जाएगा। इनमें रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर, एरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल–1 तक गोल्डन लाइन एक्सटेंशन और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक गोल्डन लाइन एक्सटेंशन शामिल हैं। रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर 9.9 किलोमीटर लंबा होगा और अंडरग्राउंड बनेगा। इसमें नौ नए मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे। इससे पहले, सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि मजलिस पार्क से मौजपुर–बाबरपुर मेट्रो सेक्शन 12.3 किलोमीटर लंबा है और इसमें आठ एलिवेटेड स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर पहले से चल रही मजलिस पार्क–शिव विहार पिंक लाइन का हिस्सा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस मेट्रो सेक्शन के जुड़ने से पिंक लाइन की कुल लंबाई बढ़कर लगभग 71.56 किलोमीटर हो जाएगी, जिससे दिल्ली देश की पहली पूरी तरह से चल रही रिंग मेट्रो का घर बन जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को भी तैयारियों का जायजा लेने पहुंची थीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शामिल हुईं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह संथाल समुदाय के लिए गर्व की बात है कि हमारे पूर्वज तिलका मांझी ने करीब 240 साल पहले शोषण के खिलाफ बगावत का झंडा उठाया था। उनके बगावत के करीब 60 साल बाद, बहादुर सिदो–कान्हू और चांद–भैरव ने बहादुर फूलो–झानो के साथ मिलकर 1855 में संथाल हुल का नेतृत्व किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि साल 2003 को संथाल समुदाय के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। उस साल, संथाल भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। पिछले साल, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर, संथाल भाषा

में ओल चिकी स्क्रिप्ट में लिखा गया भारत का संविधान जारी किया गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि 1925 में पंडित रघुनाथ मुर्मू ने ओल चिकी स्क्रिप्ट बनाई थी। हाल ही में, हमने इस इन्वेंशन की 100वीं सालगिरह मनाई है। उनके योगदान ने संथाल भाषा बोलने वालों को अपनी बात कहने का एक नया मौका दिया। उन्होंने षबिदु चंदन,ष ष्खेरवाल वीर,ष ष्दलेगे धन,ष और षसिदो कान्हू – संताल हुलष जैसे नाटक भी लिखे। इस तरह, उन्होंने संथाल समुदाय में साहित्य और सामाजिक चेतना की रोशनी फैलाई। उन्होंने कहा कि संथाल समुदाय के लोगों को दूसरी भाषाएं और स्क्रिप्ट पढ़नी चाहिए, लेकिन अपनी भाषा से जुड़े रहना चाहिए।

युवा ही विकसित भारत के निर्माता – उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

आइजोल, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को आइजोल में मिजोरम विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया और स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उनसे 2047 तक शविकसित भारतश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया। विश्वविद्यालय परिसर की प्राकृतिक सुंदरता का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मिजोरम विश्वविद्यालय सबसे सुंदर परिसरों में से एक है और यह इस बात का प्रतीक है कि जब शिक्षा शांति और उद्देश्य पर आधारित हो तो क्या हासिल किया जा सकता है। पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर में बदलावों पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को भारत के विकास के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू की गई बैराबी–सैरांग रेलवे लाइन समेत बेहतर कनेक्टिविटी, साथ ही उड़ान और पीएम–डिवाइन जैसी पहल विकास को गति दे रही हैं और इस क्षेत्र के लोगों को नए अवसरों से जोड़ रही हैं। 2047 तक शविकसित भारतश के विजन का जिक्र करते हुए, उपराष्ट्रपति ने युवाओं से नौकरी की तलाश से आगे बढ़कर अवसर सृजन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने पर्यटन, बांस–आधारित उद्योग, जैविक कृषि, हस्तशिल्प और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में पूर्वोत्तर की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशीले पदार्थों की समस्या पर चिंता व्यक्त की। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति ने युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने और अनुशासित व उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करने की सलाह दी और उनसे प्रौद्योगिकी के गुलाम बनने के बजाय उसके स्वामी बनने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने मिजोरम की समृद्ध प्राकृतिक विरासत और उच्च साक्षरता दर का उल्लेख किया।

स्टार्टअप नीति और एआई स्किलिंग से उत्तर प्रदेश में इनोवेशन को नई गति

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित स्किलिंग को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। स्टार्टअप नीति और एआई प्रज्ञा प्रोग्राम के माध्यम से प्रदेश में नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तैयारियां तेज की जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य एआई और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में करीब 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराना है। स्टार्टअप नीति, एआई स्किलिंग और तकनीकी निवेश के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के कानपुर, लखनऊ, नोएडा और वाराणसी जैसे शहरों में स्टार्टअप गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। इससे एमएसएमई क्षेत्र को भी नई

दिशा मिल रही है और युवा उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है। प्रदेश में टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की करीब 400 यूनिट्स सक्रिय हैं। इसके साथ ही राज्य में 100 से अधिक स्टार्टअप इन्क्यूबेटर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन इन्क्यूबेटरों के माध्यम से युवाओं को अपने नवाचार और तकनीकी विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ साझेदारी के जरिए युवाओं को आधुनिक डिजिटल स्किल्स और एआई तकनीक की ट्रेनिंग दी जा रही है। उत्तर प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र भी तेजी से विस्तार कर रहा है। देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में लगभग 65: हिस्सेदारी के साथ प्रदेश एक बड़े विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र को भी नई ऊर्जा मिल रही है। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण से जुड़ी सप्लाई चेन में कई छोटे और मध्यम उद्योगों को नए अवसर मिल रहे हैं, जिससे रोजगार के साथ–साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। युवाओं को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने के लिए प्रदेश के 49 आईटीआई संस्थानों में एआई लैब स्थापित की जा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शहीद भगत सिंह ट्रस्ट ने भव्य कार्यक्रम आयोजित कर 64 महिलाओं को 'स्वयंसिद्धा सम्मान' से किया सम्मानित

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पर शहीद भगत सिंह ट्रस्ट ने आभा होटल, मोतीबाग में एक प्रेरणादायी एवं भव्य कार्यक्रम आयोजित कर 'स्वयंसिद्धा सम्मान' का सफल आयोजन किया। इस मौके पर 'नई सदी , नई स्त्री , नई संभावनाएं' विषयक संगोष्ठी के आयोजन के साथ इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सामाजिक, शैक्षिक, चिकित्सकीय, कानूनी एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में योगदान को सम्मानित करना तथा नई स्त्री के लिए संभावनाओं पर विचार–विमर्श करना था।कार्यक्रम मे लगभग 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।इनमें महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, चिकित्सक, वकील एवं स्थानीय बुद्धिजीवी शामिल थे।समारोह का शुभारंभ युवा संगीतज्ञ रमा वर्मा के बांसुरी वादन से हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. निशात अख्तर सेवानिवृत वैज्ञानिकएन.डी.कृ.वि.वि., कुमारगंज ,किया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पूनम सूद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सुल्तानपुर से आई शिक्षिका ममता सिंह उपस्थित रहीं।अध्यक्षता करते हुए डॉ. निशात अखत्तर ने कहा कि स्त्री आंदोलन के भारतीय संदर्भ अलग हैं क्योंकि हमारी सामाजिक व्यवस्था भिन्न है।उन्होंने कहा कि आधुनिक स्त्री को स्वतंत्रता और अराजक स्वच्छंदता के सूक्ष्म अंतर को समझना चाहिए और संगठित होकर बराबरी और न्याय के लिए संघर्ष करना चाहिए।विशिष्ट अतिथि ममता सिंह ने कहा कि यह दिन पुरुषों के विरोध का नहीं बल्कि साथ मिलकर आगे बढ़ने का दिन है और इस बात को रेखांकित करने का दिन है कि यदि आज एक स्त्री बोल रही है तो उसके पीछे एक लंबा संघर्ष है।उन्होंने कहा कि स्त्री को देवी आदि परंपरागत छवियों से मुक्त कर सामान्य मनुष्य के रूप में देखना और समानता के अवसर प्रदान करना अधिक आवश्यक है। मुख्य अतिथि पूनम सूद ने कहा कि यह आवश्यक है कि महिलाएँ नए समय की चुनौतियों को समझें और उनका सामना करें।उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में महिलाओं को पुरुषों के साथ मिलकर नए समाज के निर्माण की ओर अग्रसर होना चाहिए।इससे पहले कवि और प्राध्यापक डॉ विशाल श्रीवास्तव ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि नारीवादी आंदोलन के लंबे इतिहास में गर्भधारण और मतदान के अधिकार से आगे बढ़ते हुए आज वित्तीय और राजनैतिक अधिकारों की मांग महत्वपूर्ण रूप से सामने है। उन्होंने आधुनिक समय में स्त्रीवाद की जटिलताओं और समस्याओं पर बात करते हुए कहा कि आज तकनीक, वैश्वीकरण और बाजारवाद के दौर में स्त्रीवाद के सामने अलग तरह की चुनौतियाँ मौजूद हैं।वही नाजिश फातिमा ने समाज में अल्पसंख्यक स्त्री की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा कि वित्तीय स्वतंत्रता का प्रश्न अत्यंत संवेदनशील है।वही ट्रस्ट की सचिव साधना सिंह ने आयोजन का संयोजन किया,जबकि वरिष्ठ शायर मुजम्मिल फिदा ने अपनी काव्यात्मक शैली से संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसमें स्मृति चिह्न एवं बैच अलंकरण प्रदान किए गए।इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह ने ट्रस्ट का संक्षिप्त परिचय देते हुए स्वागत भाषण दिया, जिसमें शहीद भगत सिंह के आदर्शों से प्रेरित होने वाली महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। उन्होंने डिजिटल युग में महिलाओं की शिक्षा, रोजगार एवं नेतृत्व भूमिकाओं पर विश्लेषण प्रस्तुत किया।ट्रस्ट की सदस्य पूजा श्रीवास्तव ने अपने प्रेरक भाषण में कहा कि नई सदी में महिलाएं पीड़ित नहीं हैं, बल्कि परिवर्तन की शक्ति हैं।ऋतु राठौर ने युवतियों को संबोधित करते हुए कहा। द्वितीय सत्र में 'स्वयंसिद्धा सम्मान' समारोह का आयोजन किया गया। इस सत्र में सामाजिक कार्य, शिक्षा, चिकित्सा, कानूनी सेवा, पत्रकारिता, कला, संगीत, बैंकिंग एवं व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए 64 प्रख्यात महिलाओं को सम्मानित किया गया।प्रत्येक सम्मानित को प्रमाण–पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।इस मौके पर कानूनी क्षेत्र मे एडवोकेट भारती सिंह एवं एडवोकेट सूरभि त्रिपाठी,सामाजिक कार्य मेअमिता सिंह, अनिता पाठक, अंजनी मौर्य, आराधना सिंह, आशा नंदा, बबीता राज, बंदना मौर्य, बीना श्रीवास्तव, इंद्रावती, ज्योति बत्रा, खुशबू शर्मा, ममता साहू, मंजू मौर्य, नाजिश फातिमा, ओमवती, पल्लवी वर्मा, पूजा वर्मा, पूनम पांडेय, रंजना शुक्ला, रानू सिंह, रीना श्रीवास्तव, रेनू सिंह (दोनों), रेशमा बानो, ऋतु सिंह राठौर, रोशनी यादव, साक्षी वासवानी, संगम यादव, सत्य प्रभा, सरिता सिंह, सीमा सिंह, शिवानी सिंह, श्यामा शर्मा, उषा विद्यार्थी, ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर एवं पर्यावरण अभियान में अंजुला पाठक, अर्चना सिंह, अर्चना गोस्वामी, डॉ. अलका सिंह, डॉ. ममता सिंह, डॉ. नीरजा पांडेय, डॉ. रचना श्रीवास्तव, कहकशां अय्यूब, किरण दीवेदी, ममता सिंह, निशि विद्यार्थी, प्रिया त्रिपाठी, विभा पांडेय।चिकित्सा सेवा मे डॉ. आकांक्षा सिंह,बैंकिंग सेवारू डॉ. अदिति सिंह,पत्रकारिता मे ज्योति जायसवाल, कुमकुम भाग्य,मिताली रस्तोगी, व्यवसाय मे कमलेश आनंद,कला (चित्रकला) मे नसीम जहरा,संगीत मे रमा वर्मा (बांसुरी वादन),सपना बंसल के अलावा सुनीता पाठक (सांस्कृतिक), सुनीता सिंह (ट्रेड यूनियन सेवा) सहित

कई सम्मानित महिलाओं ने धन्यवाद भाषण दिए, जिसमें उन्होंने ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस मौके पर साधना सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम शहीद भगत सिंह के आदर्शों से प्रेरित महिलाओं की शक्ति का उत्सव है।कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार सी बी भारती, आर डी आनंद, आशाराम जागरथ, नीरज सिन्हा नीर, रामदास सरल, बृजेश श्रीवास्तव, मांडवी सिंह, नीलम मध्यान, अखिलेश सिंह, वाहिद अली, अनंत सिंह सहित बड़ी संख्या में ट्रस्ट के सदस्य, साहित्य–संस्कृतिकर्मी, पत्रकार और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

पत्रकार परिवार का होली मिलन समारोह जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों संग हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।शहर के स्टार सिटी होटल में पत्रकार परिवार की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह रविवार को हर्षोल्लास और आपसी सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया और एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी रहे।विशिष्ट अतिथियों में सीओ सदर अरविंद सोनकर, सीओ सिटी श्रीयस त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन, वरिष्ठ पत्रकार रमा शरण अवस्थी, प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव तथा एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम के आयोजक भारत समाचार के संवाददाता रूपेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बलवंत चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया।इसके बाद कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों और पत्रकारों ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।मुख्य अतिथि एसपी

ग्रामीण बलवंत चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि होली मिलन समारोह आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देता है। यह पर्व हमें ईर्ष्या–द्वेष को भुलाकर एक–दूसरे को गले लगाने और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने की प्रेरणा देता है।उन्होंने इस सुंदर आयोजन के लिए आयोजकों और पत्रकार परिवार की सराहना की।कार्यक्रम में अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए होली पर्व की सामाजिक और सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डाला तथा समाज में पत्रकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।इस दौरान समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच समाजसेवियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले समाजसेवियों में डॉ डॉ डीआर भुवन अंतरराष्ट्रीय शूटर,रितेश मिश्रा,राजीव मदन समाजसेवी, मनान ,चौहान शामिल थे।इस अवसर पर आयोजक रूपेश श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव और सुबोध श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में मौजूद सभी पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।समारोह में पत्रकारों ने भी अपने विचार रखते हुए आपसी एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का संचालन विवेकानंद पांडेय ने किया।अंत में सभी ने फूलों की होली खेल कर एक–दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।इस अवसर पर सैकडो पत्रकार मौजूद रहे।

उत्तराखंड सरकार के चार साल पूरे होने पर सीएम धामी ने गिनाईं उपलब्धियां

हरिद्वार, (एजेंसी)। उत्तराखंड की भाजपा सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को हरिद्वार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सनातन संस्कृति का जयघोष संपूर्ण विश्व में गूंज रहा है और भारत पुनः विश्व गुरु बनने की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश के सपने को पूरा करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। नागरिकता संशोधन कानून लागू करके वर्षों से नजरअंदाज किए गए।

संपादकीय

भारत तक पहुंची आंच

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका– इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम– मिलन– में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था। ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतरू उसकी हथियार प्रणालियों को ष्सुरक्षित एवं निष्क्रियष मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है– श्हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतरू जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।श् डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम–से–कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

कबूतरी संचार की पुरानी व्यवस्था

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे–धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब–डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्टय्‍ सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है दृ श्कैरियर पिजन सर्विसय्। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है। यर पिजनय्‍ या श्होमिंग पिजनय्‍ का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर–दर–शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में श्पिजन नेटवर्कय्‍ स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से श्पिजन पोस्टय्‍ शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में श्कैरियर पिजनोंय्‍ ने जान भी बचाई, फ्रांस में श्चेर आमीय्‍ नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए श्पिजन सर्विसय्‍ चली आ रही थी। लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे–धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब–डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 श्पिजन लॉफ्टय्‍ सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब–इंस्पेक्टर, एक सहायक सब–इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976–77 के चुनावों और 1982 के श्फ्लैश फ्लड्सय्‍ में जब सड़कें–ब्रिज बह गए और वायरलेस–टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए। सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक श्कैरियर पिजनय्‍ उड़ा। ठीक 11रू20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की श्पिजन सर्विसय्‍ की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है। 1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के श्सुपर साइक्लोनय्‍ में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400–500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। श्बेल्जियन होमरय्‍ नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं। 2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो श्लॉफ्टय्‍ अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 श्बेल्जियन होमर पिजनय्‍ और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की। आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं।

मोदी ने क्या कुछ चौंकाने वाला रोल सोच रखा है

अभिनय

नीतीश ने 20 साल तक बिना बहुमत मुख्यमंत्री रहते हुए अपनी चाणक्य नीति दिखाई। उनके दिल्ली जाने के फैसले और विधान परिषद छोड़ने के बाद बेटे निशांत के संभावित डिप्टी सीएम बनने के कयास हैं।

हालांकि आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। नीतीश हमेशा पार्टी और कार्यकर्ताओं का संतुलन रखते हैं। अब निशांत की भूमिका और सरकार में उनका पद क्या रहता है, यह देखना दिलचस्प होगा। निशांत कुमार बहुत जल्द जेडीयू में औपचारिक रूप से शामिल हो सकते हैं और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते नजर आएंगे. अगले एक हफ्ते के अंदर निशांत जेडीयू में शामिल हो जाएंगे। जदयू की कमान निशांत को मिले, जदयू के बड़े हिस्से की यह पुरानी मांग है। 1977 की एक दोपहर थी। पटना का मशहूर इंडिया कॉफी हाउस हमेशा की तरह बहसों और चर्चाओं से गुलजार था। अलग–अलग टेबलों पर बैठे लोग राजनीति, समाज और देश के भविष्य पर तर्क–वितर्क कर रहे थे। उसी भीड़ में एक कोने की मेज पर दो नौजवान दोस्त भी बैठे थे। उनमें से एक अभी–अभी विधायक का चुनाव हार कर आया था। बहस तेज हो चुकी थी। तभी वह नौजवान अचानक गुस्से में मेज पर मुक्का मारता है और लगभग ऐलान करते हुए कहता है–देख लेना, एक दिन मैं बिहार का मुख्यमंत्री बनूंगा। सत्ता हासिल करूंगा, चाहे कुछ भी करना पड़े। लेकिन जब सत्ता मिलेगी तो काम भी अच्छा करूंगा। उस वक्त शायद किसी ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन ठीक 24 साल बाद, 3 मार्च 2000 को वही नौजवान बिहार के राज्यपाल के सामने शपथ लेते हुए कह रहा था–मैं नीतीश कुमार, श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से बिहार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा। यह कहानी उस नेता की है जो पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति के केंद्र में बना हुआ है। एक ऐसा नेता जिसके राजनीतिक पतन का मर्सिया कई बार पढ़ा गया, लेकिन हर बार वह फिर खड़ा हो गया। जो राजनीति की करवट बदलकर बड़े–बड़े नेताओं को चौंका देता है। यह उसी नेता की कहानी है जिसने अपने पहले दो विधानसभा चुनाव हारे, यहां तक कि एक समय राजनीति से संन्यास लेने का मन बना लिया। लेकिन फिर अचानक हालात बदले। उसने नई राजनीतिक राह चुनी, नई पार्टी बनाई और देखते ही देखते बिहार की सत्ता तक पहुंच गया। यह उस नेता की भी कहानी है जिसके पिता कांग्रेसी थे, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें टिकट देने से इंकार कर दिया। पिता के उस अपमान ने बेटे को समाजवाद की राह पर डाल दिया, लोहिया का समाजवाद, जेपी का समाजवाद। वक्त बीतता गया और राजनीति करवट लेती रही। यही नेता एक समय गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के दावेदार नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करने से इंकार कर देता है। उन्हें सांप्रदायिक करार देकर भाजपा से 17 साल पुरानी दोस्ती तोड़ देता है और अपने पुराने दोस्त, बाद के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी लालू यादव से हाथ मिला लेता है। लेकिन गठबंधन बदलते रहे, समीकरण बदलते रहे। नीतीश कुमार बिहार की सियासत के वो नेता हैं जिनके पास सियासी बंदूक तो खुद की होती है लेकिन विरोधी पर निशाना साधने के लिए चुनावी समर में कारतूस सहयोगी से लेते हैं। मतलब मौके की नजाकत को भांप कारतूस बदलने का विकल्प सदैव वो अपने हाथों में रखते हैं। मुख्यमंत्री की कुर्सी, हर बार किसी न किसी तरह फिर नीतीश कुमार के पास ही लौट आती रही। जिससे 2007 में आई फिल्म पार्टनर जिसका एक दृश्य याद आ जाता है जब सलमान की बहन भास्कर यानी गोविंदा को कपड़ों की सेट दे रही होती है तो प्रेम यानी सलमान कहते हैं, ये मेरे कपड़े हैं इस भास्कर को कैसे फिट आएंगे। भास्कर यानी गोविंदा चेहरे पर मुस्कान लिए जवाब देते हैं डोंट वरी फिट हो जाएंगे, अपना तो साइज ही इतना अजीब है कि किसी भी साइज के अंदर फिट हो जाता हूं। बिहार के मुख्यमंत्री को लेकर भी इन दिनों ऐसा ही कुछ ऐसा ही कहा जा सकता है। जब से उनके राज्यसभा जाने का ऐलान हुआ तमाम तरह की अटकलों ने जन्म लेना शुरू कर दिया है। नीतीश कुमार को लेकर मपजीमत लवन सवअम ेपउ वत ींजम ीपउ इनज बंदज पहदवतम या तो आप उनसे प्यार करते हैं या नफरत लेकिन उन्हें अनदेखा नहीं कर सकते। कुल मिलाकर पूरा लब्बोलुआब है कि हमेशा चर्चाओं में बने रहना। बिहार के मुख्यमंत्री, पीएम मैटेरियल वाले मुख्यमंत्री, सुशासन बाबू के उपनाम वाले मुख्यमंत्री, बिहार में बहार हो का नारा देने वाली पार्टी के मुख्यमंत्री इससे एक कदम आगे अब क्या उप प्रधानमंत्री मैटेरियल वाले मुख्यमंत्री बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं? बिहार सीएम की कुर्सी भाजपा के पास जा सकती है। नित्यानंद राय से लेकर सम्राट चौधरी और दलित सीएम जैसी थ्योरी सामने आ रही है। इसके साथ ही जेडीयू से दो डिप्टी सीएम वाली थ्योरी भी दी जाती है। अटकल या कयास हमेशा अधूरी जानकारी से बनते हैं। लेकिन राजनीति में तो जैसे अधूरी बात से भी पूरा मतलब निकालने की परंपरा है। संकेतों की राजनीति में किसी भी बयान या तस्वीरों को नरजअंदाज नहीं किया जाता। अब आपको छोड़ा पीछे लिए चलते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव का दौर नवंबर का महीने साल 2020 जब एक रैली में नीतीश कुमार ने कहा था आज चुनाव का आखिरी दिन है और परसों चुनाव है। ये मेरा अंतिम चुनाव है। अंत भला तो सब भला। अब आप बताइए कि वोट दीजिएगा न इनको? हाथ उठाकर बताइए। हम इनको (उम्मीदवार को) जीत की माला समर्पित कर दें?" तब किसी ने भी नहीं सोचा था कि नीतीश कुमार के इस बयान का मतलब इतना आगे निकल जाएगा कि अभी साल बरस बीता ही था नई नवेले सरकार और 2025 से 2030 बिहार में फिर से नीतीश के नारे के सहारे फिर से सत्ता में आने के बाद जेडीयू–बीजेपी की सरकार का प्राइम फेस बदल जाएगा। सवाल तो ये भी उठ रहा है कि क्या बिहार की राजनीति से नीतीश का मन भर गया। अब आपको एक तस्वरी दिखाते हैं– बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। इस तस्वीर में नीतीश के बॉडी लैंग्वेज का बड़ा फर्क है जिसकी तरफ आलोचकों ने ध्यान दिलाया। 90 डिग्री के कोण से घूमते हुए शरीर का झुकाव 60 डिग्री पर पहुंच गया। गणित के नियम में भले ही कोण का घिरना झुकाव दर्शाता हो लेकिन राजनीति में विज्ञान दूसरा है। कई बार झुकाव से उन्नति का रास्ता खुलता है। वैसे ये भी कहा गया सब सम्मान की बात है। लेकिन इसके दूसरे मायने भी तलाशे जा रहे हैं। जब राष्ट्रपति चुनाव के पहले नाम आया तो चुप्पी साधे रहे। जब उप राष्ट्रपति बनाने की बात आई तो तैयार नहीं हुए। अब 20 साल बिहार के मुख्यमंत्री रहने के बाद नीतीश राज्यसभा सांसद बनने को तैयार हो गए। कई विश्लेषक दावा कर रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी के भारी दबाव के बाद वह 37 साल पुराने रास्ते पर लौटने को तैयार हुए हैं। ऐसे में क्या देश की नरेंद्र मोदी सरकार में उन्हें कोई बड़ा ओहदा मिलने जा रहा है या सिर्फ सांसद बनकर वह राजनीति की अंतिम पारी खेलने के लिए उतरे हैं? राज्यसभा सांसद बनकर रिटायर होना तो उनकी इच्छा में नहीं ही हो शायद। नीतीश ने अप्रत्याशित फैसला लिया है तो क्या आगे कुछ उन्हें आश्चर्यजनक तौर पर मिल सकता है? अटकलें तो इस बात की भी हैं कि उन्हें उप प्रधानमंत्री जैसा कुछ बनाया जाए तो बहुत आश्चर्यजनक नहीं होगा।

राजस्थान की अनोखी तालाब संस्कृति

बाबा मायाराम

रामसर गांव के युवाओं की तालाब के आसपास पेड़ लगाने की मुहिम ने क्षेत्र के लोगों को नई राह दिखाई है। इससे न केवल तालाब का भूदृश्य हरा–भरा हो रहा है, पक्षियों का यहां बसेरा है, बल्कि तालाब भी काफी साफ–स्वच्छ व सुंदर है। इससे यह भी पता चलता है कि इतनी पुरानी तालाब संस्कृति की समाज ने कैसे सार संभाल की है। उसे बचाया है, और यह उनकी दैनंदिन जरूरत भी है। मिल– जुलकर इसकी साफ–सफाई और पानी के इस्तेमाल की नियमावली बनाई है।राजस्थान की पानीदार तालाब संस्कृति काफी पुरानी और अनोखी है। मुझे कुछ वर्ष पूर्व वहां के तालाबों को देखने का मौका मिला था। वहां उन्नति नामक एक संस्था ने तालाब यात्रा की थी, जिसमें यहां के कुछ जिलों के कई तालाब देखे थे। वहां के लोगों से मिले थे और उनसे बात की थी। आज के कॉलम में इस तालाब संस्कृति पर बात करना चाहूंगा, जिससे तालाब, जनजीवन और उसकी सार–संभाल कैसे की जा सके, यह पता चल सके। मैं यहां करीब हफ्ते भर गांव–गांव घूमा, तालाब देखे, ग्रामीणों से मिले। उसकी सार–संभाल की व्यवस्था की जानकारी ली। तालाबों के अलिखित पर कड़े नियम कायदे जानें। तालाब संस्कृति से रूबरू हुए। यह देखकर मैं आश्चर्यचकित था कि यह संस्कृ ति सैंकड़ों सालों से चल रही है। बिना रोक–टोक और निरंतर, न कोई विवाद और न कोई झगड़ा। अगर कोई विवाद हुआ भी तो आपस में मिल–बैठकर निबटा लिया जाता है।इसी तरह, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी पानीदार संस्कृति अनोखी है, तीजकृत्योहार से जुड़ी हुई है, हालांकि अब तालाब कम होते जा रहे हैं और सूख भी रहे हैं। इसी संदर्भ में राजस्थान की तालाब संस्कृति से सीखा जाना जरूरी है। जो अब भी जारी है, और बरसों से लोगों ने उसे संजोया और संवारा है। नई पीढ़ी भी इसे संभाल रही है। यह तालाब की कहानी उसी की है। अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में है नागौर जिला। इस जिले का छोटा सा गांव है रामसर। यहां के तालाब की सार–संभाल का जिम्मा युवाओं ने ले लिया है। वे न केवल इस तालाब की देखरेख कर रहे हैं बल्कि उसके आसपास पौधारोपण की मुहिम चला रहे हैं। इस मुहिम का फौरी असर यह हुआ है कि तालाब तो स्वच्छ व साफ है ही,पक्षी भी हैं। इस क्षेत्र के युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी दिखाई दे रही है।रामसर गांव के तालाब का नाम है राम सरोवर। नागौर का यह थार का रेगिस्तान सबसे कम बारिश वाले इलाकों में से है। इस इलाके में पानी कम है, गरमी ज्यादा है। लेकिन इसी के मद्देनजर यहां बारिश के पानी के संग्रहण की काफी अच्छी पारंपरिक व्यवस्था देखने को मिलती है। घरों में टांका हैं तो गांव में तालाब हैं, जहां से सभी को पानी उपलब्ध होता है। रामसर तालाब पुराना है। इसकी गहराई लगभग 50 फुट है और इसका आगौर है 1100 बीघा जमीन का, जो दस्तावेजों में दर्ज है। यह तालाब भव्य व सुंदर है, तालाब की पाल के किनारे पुराने खेजड़ी के पेड़ों की पंक्तियां हैं। लेकिन यहां युवाओं की पर्यावरण संस्था ने 300 से ज्यादा पेड़ नए भी लगाए हैं और ट्री गार्ड से उनकी सुरक्षा भी की है। इन हरे–भरे पेड़ों के कारण सैंकड़ों की संख्या में पक्षियों का कलरव बरबस ही खींचता है। यहां मोर, उल्लू, तीतर, सोन चिड़िया काफी दिखाई देते हैं। इसके अलावा, हिरण भी कुलांचे भरते दिख जाएं।पर्यावरण संस्था से जुड़े मुकेश गोड बताते हैं कि तालाब के किनारे लगे खेजड़ी के पेड़ों की उम्र हो गई है, वे गिरने लगे हैं, इसलिए नए पेड़ लगाने की जरूरत महसूस हुई। युवाओं ने पर्यावरण संस्था का गठन किया और एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया, जिसमें करीब डेढ़ सौ सदस्य हैं, जिनमें काफी नए युवा भी जुड़े हैं, और यह सिलसिला जारी है। इस वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से पेड़ लगाने की मुहिम के लिए चंदा एकत्र किया गया, और पेड़ लगाए। अब उनकी परवरिश भी की जा रही है। इसके अलावा, आगौर में अतिक्रमण न हो, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इस पूरी मुहिम में पंचायत ने भी सहयोग दिया है।वे आगे बताते हैं कि तालाब बुजुर्गों की धरोहर है। तालाब है तो गांव है, वह पहचान है। पेड़ लगाना ही जरूरी नहीं है बल्कि उनकी देखरेख व परवरिश भी जरूरी है इसलिए गांव के सभी युवाओं ने इसकी जिम्मेदारी ली है। गांव के बुजुर्ग कन्हैयालाल बतलाते हैं कि यह तालाब 350 बरस पुराना है। जब गांव बसा तब भी तालाब था। पहले इसे काला नाडा के नाम से जानते थे। लक्ष्मीनाथ भगवान का मंदिर गांव में है, वह भी काफी पुराना है। हाल में मनरेगा के तहत तालाब की खुदाई भी करवाई गई है। तीन तरफ दीवारें बनवाई गईं हैं। वे आगे बताते हैं कि तालाब की रखवाली के लिए एक चौकीदार रखा गया है, जिसे गांव वाले चंदा करके मानदेय देते हैं। तालाब से पानी सभी टैंकरों से ले जा सकते हैं पर पानी की कमी होने पर उस पर रोक भी लगाई जाती है। इसके बाद सिर पर घड़े से और ऊंटगाड़ी से पानी ले जा सकते हैं। शादी–विवाह व सार्वजनिक कार्यक्रमों के समय शौच आदि के

लिए मना करने की सूचना दी जाती है। तालाब के आसपास कोई पशु मर जाते हैं तो तुरंत ही उठवाने की व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा, भेड़–बकरियों को भी चरने पर मनाही है, विशेषकर पेड़ों के आसपास। अमावस, पूनों और ग्यारस को गांव के लोग सामूहिक रूप से साफ–सफाई का काम करते हैं। मूलाराम गूजर ने बताया कि तीन साल पहले तालाब का पानी खत्म हो गया था, तब खुदाई करवाई गई, जिसकी उपजाऊ मिट्टी किसानों ने खेतों में डाली। इसके अलावा, बेरियां व कुईयां भी हैं, जिनमें पानी आता था। गांव में दो कुएं भी हैं लेकिन सामान्य दिनों में 10 गांव के लोग इस तालाब से पानी लेते हैं। कुल मिलाकर, रामसर गांव के युवाओं की तालाब के आसपास पेड़ लगाने की मुहिम ने क्षेत्र के लोगों को नई राह दिखाई है। इससे न केवल तालाब का भूदृश्य हरा–भरा हो रहा है, पक्षियों का यहां बसेरा है, बल्कि तालाब भी काफी साफ–स्वच्छ व सुंदर है। इससे यह भी पता चलता है कि इतनी पुरानी तालाब संस्कृति की समाज ने कैसे सार संभाल की है। उसे बचाया है, और यह उनकी दैनंदिन जरूरत भी है। मिल– जुलकर इसकी साफ–सफाई और पानी के इस्तेमाल की नियमावली बनाई है। हालांकि यह अलिखित है, पर कड़ाई से इसका पालन किया जाता है। युवा भी इस पूरी संस्कृति से जुड़े हैं। उनमें पर्यावरण के प्रति नई चेतना पैदा हुई है। रामसर तालाब की सार–संभाल व रखरखाव भी अच्छा है, युवाओं ने बुजुर्गों की इस धरोहर को संभालने का जिम्मा लिया है, जो सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

कैसा भूमंडलीकरण, कैसी विश्व व्यवस्था

श्रुति व्यास

साफ दिखलाई दे रहा है कि भूमंडलीकरण इतिहास की अनिवार्य ध ाारा नहीं है, बल्कि मानों एक ऐसी व्यवस्था जैसी है जो परिस्थितियों पर निर्भर है। और वह लगातार खतरे के नीचे खड़ी है। कोई भी समय कभी भी इस पूरी व्यवस्था को पटरी से नीचे उतार सकता है, जैसे इस समय भूमंडलाकरण के साथ वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था में भी नजर आ रहा है। इजराइल–अमेरिका बनाम ईरान की लड़ाई ने फिर दुनिया को ठिठका दिया है। वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनों में एक होर्मुज जलडमरूमध्य है। ईरान और खाड़ी देशों के बीच स्थित यह मार्ग दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से के तेल का रास्ता है। इसलिए जब यहाँ युद्ध या तनाव की आशंका पैदा होती है, तो असर केवल मध्य–पूर्व में ही सिमटा नहीं रहता। तेल बाजार से लेकर करेंसी बाजार, जहाजरानी से लेकर बीमा उद्योग और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था हिलने लगती है। और ताजा लड़ाई ने विश्व राजधानियों में फिर यह सवाल पैदा किया है कि दुनिया को गाँव में बदलने वाले वैश्वीकरण की बुनियाद कितनी पुख्ता है? तीन दशकों से यह विश्वास गहरा है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया का पलटना या थमना संभव नहीं है। उत्पादन और व्यापार की शृंखलाएँ महासागरों के पार फैल चुकी थीं। पूँजी की लगभग बिना रुकावट एक देश से दूसरे देश में आवाजाही है। एक महाद्वीप में बना सामान कुछ ही हफ्तों में दूसरे महाद्वीप की दुकानों तक पहुँच जाता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था अब इतनी परस्पर जुड़ चुकी है कि उसका ढहना लगभग असंभव है। इस विश्वास को समय–समय पर झटके लगे हैं। युद्धों ने विश्व व्यापार को बाधित किया और महामारी ने वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को अचानक रोक दिया। कोविड–19 के दौरान बंदरगाहों पर कंटेनर अटक गए, कारखाने बंद हुए और अंतरराष्ट्रीय व्यापार धीमा हुआ। लेकिन इसके बावजूद वैश्वीकरण रुका नहीं। वह कुछ समय के लिए ठहरा, फिर अपने को नए हालात के अनुरूप ढालकर आगे बढ़ गया। जैसे ही अर्थव्यवस्थाएँ खुलीं, व्यापार फिर तेजी से लौट आया। कंटेनर जहाजों ने फिर समुद्र पार करना शुरू किया, डिजिटल व्यापार और तेज हुआ। वैश्विक पूँजीवाद की व्यवस्था ने फिर अपना लचीलापन दिखाया। लेकिन आज का संकट अलग प्रकृति का है। महामारी उत्पादन और आपूर्ति को बाधित करती है, जबकि युद्ध उन रास्तों को ही खतरे में डाल देता है जिनसे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था चलती है। ईरान से जुड़ा संकट इसी कारण दुनिया की चिंता है, क्योंकि यह वैश्विक व्यापार की उन धमनियों को छूता है जिन पर पूरी व्यवस्था टिकी है। होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील बिंदु है। दुनिया के लगभग पाँचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यह मार्ग अस्थिर होता है, तो उसके असर बहुत दूर तक होंगे। तेल की कीमतें तुरंत उछलने लगती हैं। इसके बाद माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, बीमा प्रीमियम ऊपर जाते हैं। मुद्रा बाजारों में अस्थिरता छा जाती है। कुछ ही दिनों में यह कंपन वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई हिस्सों में महसूस होने लगता है। यहीं वैश्वीकरण की असली भौगोलिक सच्चाई है। दुनिया भले ही सीमा–रहित दिखाई देती हो, लेकिन वैश्विक व्यापार वास्तव में कुछ ही संकरे रास्तों पर निर्भर है। होर्मुज जलडमरूमध्य, स्वेज नहर और मलक्का जलडमरूमध्य ऐसे ही मार्ग हैं। जब इन रास्तों पर संकट आता है, तब वैश्वीकरण किसी अटूट व्यवस्था की तरह नहीं बल्कि भू–राजनीतिक स्थिरता पर निर्भर एक नाजुक ढाँचे की तरह खड़ा दिखता है। ईरान संकट एक और गहरे बदलाव की ओर भी संकेत है। शीत युद्ध के बाद यह मान लिया गया था कि आर्थिक परस्पर निर्भरता भू–राजनीतिक संघर्षों को सीमित कर देगी। जो देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़े होंगे, वे ऐसे कदम नहीं उठाएँगे जो उनकी अपनी समृद्धि को नुकसान पहुँचाएँ। लेकिन पिछले कुछ वर्षों की घटनाएँ इस विश्वास को कमजोर कर रही हैं। यूक्रेन युद्ध ने यूरोप की ऊर्जा व्यवस्था को हिला दिया है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं को विभाजित कर रहा है। मतलब अब ईरान से जुड़ा संकट एशिया की आर्थिक वृद्धि को ऊर्जा देने वाले तेल मार्गों को ही खतरे में डाल दे रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि वैश्वीकरण समाप्त हो रहा है। लेकिन उसका स्वरूप बदल रहा है। अब वह पहले की तुलना में अधिक रणनीतिक, अधिक सतर्क और शक्ति–राजनीति के दबावों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गया है। भारत के लिए इसके निहितार्थ तत्काल असर दिखा रहे हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरी करता है। इसलिए ऊर्जा सुरक्षा उसकी स्थायी रणनीतिक चिंताओं में से एक है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसलिए जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत जल्दी दिखाई देता है। तेल महँगा होता है, आयात बिल बढ़ता है, महँगाई का दबाव बनता है और रुपये पर असर पड़ता है। यह जोखिम केवल कीमत का नहीं, आपूर्ति का भी है। भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पदूर में स्थित हैं। इन भंडारों में लगभग 39 मिलियन बैरल कच्चा तेल रखा जा सकता है, जो किसी गंभीर संकट की स्थिति में लगभग पाँच से छह सप्ताह की खपत को पूरा कर सकता है। प्रतिदिन पाँच मिलियन बैरल से अधिक तेल खपत करने वाले देश के लिए यह सुरक्षा उपयोगी तो है, लेकिन सीमित भी है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस जोखिम को संतुलित करने की कोशिश की है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी कच्चे तेल की खरीद तेजी से बढ़ा दी। रूस, जो पहले भारत के तेल आयात का बहुत छोटा स्रोत था, कुछ समय के लिए उसका सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया। लेकिन ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक सवाल नहीं रही। वह सीधे भू–राजनीति से जुड़ चुकी है। नई दिल्ली को एक सावधानी भरे कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना पड़ रहा है। 2025 में अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर भारी शुल्क लगाए और इसका भी असर हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क भी, जो भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद जारी रखने से जुड़ा था। इससे कुछ भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क लगभग 50 प्रतिशत तक था। संकेत साफ था कि ऊर्जा के फैसले अब भू–राजनीतिक हिसाब–किताब से अलग नहीं रहे। बहरहाल वह संकट अभी हाशिए में है। लेकिन इस पूरे प्रकरण का एक स्पष्ट सबक है। भारत की आयातों पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी है। पेट्रोलियम पदार्थ और ऊर्जा से जुड़े फैसले अब केवल कारोबारी नहीं हैं बल्कि वे भू–राजनीतिक बिसात का हिस्सा हैं। ईरान संकट ने भारत की इस दुविधा को और जटिल बना दिया है। यदि खाड़ी क्षेत्र से तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो रूस से तेल खरीदना फिर एक आर्थिक अनिवार्यता होगी। लेकिन तब अमेरिका के साथ नए तनाव भी पैदा हो सकते हैं। यही मौजूदा वैश्वीकरण का विरोधाभास है। आर्थिक परस्पर निर्भरता स्थिर समय में अमीरी लाती है, लेकिन वही व्यवस्था दूर के युद्धों का भी असर हर देश की अर्थव्यवस्था में चिंता पैदा कर देती है।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला अपनी सूझबूझ से कई परिवारों को टूटने से बचाने का कर रही सराहनीय कार्य

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।रविवार को पूरा देश अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं को समाज द्वारा सम्मानित भी किया गया।देखा जाये तो इस अवसर पर अगर महिला पुलिस कर्मियों के साहस समर्पण और संवेदनशीलता की बात ना करें तो गलत होगा।जी हाँ हम बात कर रहे हैं अयोध्या जनपद के महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला तथा उनकी टीम की। देखा जाए तो महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला अपनी टीम में शामिल महिला उप निरीक्षक चेतना,महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौड़,महिला उप निरीक्षक प्रिया,उप निरीक्षक संजीव मिश्रा,कांस्टेबल ज्योतिमा, नेहा मिश्रा,साक्षी शुक्ला, पायल, सरोज, रंगीता साहनी सहित अन्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ सराहनीय कार्य कर रही हैं।देखा जाये तो वे न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी टीम के साथ अहम भूमिका निभाती हुई नजर आ रही हैं।बल्कि समाज में सुरक्षा का भरोसा (जैसे एंटी रोमियो स्क्वाड, महिला हेल्पलाइन) के तहत काम कर रही है।वर्दी में नारी शक्ति का समर्पण, देश की रक्षा और प्रगति का

एक सशक्त प्रतीक है।वे महिला पुलिस कर्मियो के महिलाओं को सुरक्षा की भावना देती हैं, जो आत्मविश्वासी समाज के लिए जरूरी है।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अगर उनकी वह उनकी टीम की सहाना की जाए तो बहुत कम है क्योंकि एक तरफ जहां महिला थाना परिसर में आधे से ज्यादा अधिक मामले पति पत्नी के विवाद से संबंधित आते हैं।लेकिन अपनी सूझबूझ से वे तथा उनकी टीम द्वारा किसी बात को लेकर दो पति–पत्नी के बीच हो रही अनबन को दूर करके और अच्छी काउंसलिंग कर एक बार फिर से एक दूसरे के साथ रहने के लिए राजी कर लेती हैं और यह एक ही नहीं कई दर्जन मामलों ऐसे आए जिसे इन्होंने अपनी अपनी सूझबूझ से और काउंसलिंग कर कई परिवारों को टूटने से बचाया। इसके अलावा वे और उनकी टीम द्वारा बीच–बीच में मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के तहत केंद्रवा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं के अलावा महिलाओं तथा बालिकाओं को उनके सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का अधिकार पंपलेट बैनर के माध्यम से करती हुई दिखाई देती हैं। इसके साथ ही साथ उनकी टीम द्वारा अयोध्या नगरी में विभिन्न मेलों व अन्य आज को में भी उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश पर सराहनीय भूमिका करते हुए दिखाई देती हैं।

विधायक ने अपने जन्मोत्सव पर लिया जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प,15 मार्च को मनेगा भव्य जन्मोत्सव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रुदौली विधानसभा के विधायक रामचंद्र यादव का जन्मोत्सव आगामी 15 मार्च को भव्य तरीके मनाया जाएगा।इसकी तैयारी को लेकर रविवार को ग्राम प्रधानों, भाजपा के मण्डल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं समेत गन्ना सहकारी समिति के चेयरमैन व नपा कामाख्या अध्यक्ष ने बैठक की। नरौली स्थित श्री आरटीएस कालेज आफ फार्मेसी में आयोजित बैठक में विधायक ने अपने जन्म दिवस के मौके पर शोषितों, वंचितों एवं जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प लिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन्मोत्सव मनाने का उनका एकमात्र मकसद जरूरतमंदों की सेवा करना है। अपने समर्थकों से बोले, 500 से अधिक लोग ब्लड डोनेट करें, ताकि रोड दुर्घटना में घायल या बीमार लोगों को उनके ब्लड को जरूरत

पड़ने पर मदद की जा सके और उन्हें जीवनदान मिल सके। बताया कि एक हजार लोगों को चश्मा वितरण किया जाएगा ही। साथ मोतियाबिंद जैसे आपरेशन भी होंगे। विधायक ने कहा विभिन्न बीमारी से ग्रस्त लोग उसी दिन यहां अलग–अलग विभागों के चिकित्सकों से परामर्श, परीक्षण और इलाज करा सकेंगे। साथ ही दिव्यांग प्रमाण–पत्र बनाने का भी कैंप लगेगा। बैठक में समर्थकों को अलग–अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस मौके पर गन्ना सहकारी समिति के चेयरमैन निर्मल शर्मा, नगर पंचायत कामाख्या के अध्यक्ष शीतला प्रसाद शुक्ल, प्रधान अर्जुन यादव, जंग बहादुर यादव, बजरंगबली यादव, मवई प्रधान संघ अध्यक्ष राजेश यादव, मंडल अध्यक्ष राकेश तिवारी, भरतलाल, भाजपा नेता तेज तिवारी, बब्लू यादव, पिंटू यादव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

जिले के सभी पीएचसी केंद्रों पर आरोग्य मेले का हुआ आयोजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रविवार को जनपद की सभी पीएचसी एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित हुआ।कुल पीएचसी– 36, मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में आम जन को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और आरोग्य मेले का सफल संचालन संपन्न हुआ।जनपद अयोध्या की सभी पीएचसी पर

आयोजित आरोग्य मेले में चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा इलाज एवम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ हासिल करने आए लोगों का स्वास्थ्य लाभ दिया गया और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदान की गई।मेले में कुल चिकित्सकऋ 72, पैरामेडिकलऋ 206, द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। मेले में पुरुष मरीज 321, महिला मरीज 372, बच्चे 83, द्वारा अपना उपचार लाभ प्राप्त किया गया। मेले में आयुष्मान कार्ड बने 68, हेल्प डेस्क पर स्क्रीन हुए मरीज 147, कोविड टेस्ट 0 पॉजिटिव 0,आंख के मरीज 27, बुखार के मरीज 104, सांस के मरीज 54, पेट के मरीज 142, शुगर के मरीज 94, चर्म रोग के मरीज 98, टीबी के सस्पेक्टेड मरीज 26, एनीमिया के 23, उच्च रक्तचाप के 37, प्रसव पूर्व जांच 95, कुपोषित 5, रेफर 35. लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई।

फागुन के गीतों से सजी संगीत की बैठकी

लखनऊ, (संवाददाता)। लोक संस्कृति शोध संस्थान की फागोत्सव शृंखला के तहत शुक्रवार को गोमतीनगर के विवेकखंड स्थित संगीत भवन में फागुन के गीतों से संगीत की बैठकी सजी। लोकधुनों और पारंपरिक फागों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने माहौल में फागुनी रंग भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। लोकगायिका देवेश्वरी पंवार ने पर्वतीय लोकधुनों से श्रोताओं को भावविभोर किया। वरिष्ठ गायिका सौम्या गोयल ने होरी खेलो री राधे संभाल के... की प्रस्तुति से सभी को उल्लासित कर दिया। इसके बाद आद्रिका मिश्रा, अविका गांगुली, अथर्व श्रीवास्तव, भूमि पाण्डेय, आस्था पांडेय, प्रवीन गौर, सौम्या गोयल, नुपूर सिंह, नीलिमा गौर, सुमन मिश्रा तथा स्मिता पाण्डेय ने सामूहिक रूप से उड़े बृज में गुलाल..., राधा रानी की रंग गई सारी... , होरी खेलें बनवारी... जैसे लोकप्रिय फाग की सुमधुर प्रस्तुति दी।

तिलकधारी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 25–26 के अंतर्गत द्वितीय एक दिवसीय सामान्य शिविर का आयोजन सम्पन्न

देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। तिलकधारी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 25–26 के अंतर्गत द्वितीय एकदिवसीय सामान्य शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी तथा विवेकानंद व गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व उनके समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात स्वयंसेविकाओं द्वारा सरस्वती वंदना व लक्ष्य गान हुआ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ0 वंदना सिंह द्वारा स्वयं सेविकाओं को ढेर सारी शुभकामनाएं प्रदान की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 चित्रलेखा सिंह द्वारा महिला सशक्तिकरण, सशक्त महिलाएं, सशक्त समाज का आधार है यह कहते हुए बताया कि दुनिया प्रगति तभी कर पाएगी जब महिलाएं आगे बढ़ेगी।इस संगोष्ठी में डॉ0 नीलम सिंह वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी द्वारा महिला दिवस का प्रारंभ कैसे और कब हुआ इसको अवगत कराते हुए कहा कि महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं को समान अधिकार, समान अवसर व सम्मान मिलना चाहिए। इसके लिए हमें एक साथ मिलकर सशक्तिकरण की दिशा में काम करना चाहिए इस संगोष्ठी में श्री अनूप कुमार सिंह ने स्वयं सेविकाओं को शुभकामनाएं व बधाई दिए तथा इस संगोष्ठी में महाविद्यालय की अन्य प्राध्यापिकाओं उपस्थित होकर अपनी भागीदारी दी और कार्यक्रम को सफल बनाया।

वाराणसी में होली मिलन समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को वाराणसी के महमूरगंज स्थित तुलसीपुर के निवेदिता बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सभी को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं तथा प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। उप मुख्यमंत्री ने इन प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। पूरे परिसर में होली के उल्लास, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों की छटा देखने को मिली, जिससे कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत आनंदमय और उत्सवमय बना रहा।अपने संबोधन में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी मतभेदों को भुलाकर एक–दूसरे के साथ खुशियाँ बाँटने की प्रेरणा देता है। उन्होंने छात्राओं को

शिक्षा के साथ–साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का संदेश भी दिया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है और बेटियों को सशक्त तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सरकार का लक्ष्य शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज को अधिक सशक्त और प्रगतिशील बनाना है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं और उल्लासपूर्वक पर्व का आनंद लिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, प्रबुद्धजन, सम्भ्रांत लोग, विद्यालय परिवार, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ मौजूद रहीं।

संक्षिप्त खबरें

मानवाधिकार विभाग का विधि विभाग में विलय, अली आसिफ जमा रिजवी को दोनों की जिम्मेदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव पर तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय की स्वीकृति के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मानवाधिकार विभाग का विलय विधि विभाग में कर दिया गया है। संगठनात्मक मजबूती और मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।इस निर्णय के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि विभाग के चेयरमैन अली आसिफ जमा रिजवी अब मानवाधिकार विभाग के कार्यों का दायित्व भी संभालेंगे। दोनों विभागों के समन्वय से मानवाधिकार से जुड़े मामलों में अधिक प्रभावी और संगठित ढंग से कार्य किया जाएगा। साथ ही कांग्रेस संगठन को मजबूत करते हुए प्रदेश में गरीब, शोषित, पीड़ित और दलित वर्ग के लोगों के अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि इस निर्णय से संगठन को अधिक सशक्त और प्रभावी बनाया जा सकेगा। मानवाधिकार से जुड़े मामलों में कानूनी स्तर पर मजबूत हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के साथ–साथ संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और आमजन को न्याय दिलाने की दिशा में कांग्रेस की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ होगी।शीर्ष नेतृत्व के इस निर्णय का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि विभाग के चेयरमैन अली आसिफ जमा रिजवी ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार विभाग और विधि विभाग के विलय से संगठनात्मक कार्यों में तेजी आएगी और प्रदेश में मानवाधिकारों के हनन, सामाजिक अन्याय तथा उत्पीड़न के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से और अधिक मजबूती के साथ अपनी भूमिका निभा सकेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और यह निर्णय उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्कूलों के ट्रैफिक मार्शलों को दिया जा रहा सात दिवसीय यातायात प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में लखनऊ शहर में स्कूल खुलने और बंद होने के समय यातायात व्यवस्था को सुगम और सुदृढ़ बनाए जाने के उद्देश्य से विशेष पहल की गई है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त (यातायात) कमलेश दीक्षित के निर्देशन में स्कूल प्रबंधन की ओर से नियुक्त ट्रैफिक मार्शलों को यातायात पुलिस लाइन में सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शहर के 17 स्कूलों के कुल 97 ट्रैफिक मार्शल भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें यातायात नियमों की जानकारी, सड़क सुरक्षा के उपाय, स्कूल समय के दौरान वाहनों की सुचारु आवाजाही बनाए रखने के तरीके तथा आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से कार्य करने के बारे में विस्तृत रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों के आसपास यातायात नियंत्रण की विशेष तकनीकों से भी अवगत कराया जा रहा है।यातायात पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्कूल समय के दौरान होने वाली यातायात की भीड़ को नियंत्रित करना, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और अभिभावकों व वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

50 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचीं 90 वर्ष की वृद्धा, लिफ्ट पर लिखा- टेक्निकल खराबी मेयर ने अफसरों को फटकारा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में तालकटोरा के दरियाबाद निवासी 90 वर्ष की विशुना शुक्रवार सुबह नगर निगम मुख्यालय पहुंचीं। उनके एक कमरे के घर का तीन वर्ष से 972 रुपये का टैक्स नहीं जमा था। गृहकर से राहत की उम्मीद में पहुंचीं विशुना का दर्द मुख्यालय की खराब लिफ्ट ने बढ़ा दिया। जैसे–तैसे करके वह करीब 50 सीढ़ियां चढ़कर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचीं। उन्होंने अव्यवस्था के बारे में महापौर को बताया तो उन्होंने अधिकारियों को फटकारते हुए कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है। इसके साथ ही समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस पर लोग सीवर, सफाई, टैक्स सहित अन्य समस्याएं लेकर पहुंचे थे। लिफ्ट खराब होने से सभी को

सीढ़ियां चढ़कर दूसरी मंजिल पर आयोजित समाधान दिवस तक पहुंचना पड़ा। इस दौरान बुजुर्गों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। विशुना ने महापौर सुषमा खर्कवाल को बताया कि उनके परिवार में और कोई नहीं है। इस कारण उन्हें अकेले ही दौड़–भाग करनी पड़ती है। यह भी बताया कि उनके पास टैक्स जमा करने के पैसे भी नहीं हैं। उन्हें समस्या के निस्तारण का आश्वासन मिला। सीढ़ियां चढ़ने में वजीरगंज की रामदुलारी की तबीयत खराब हो गई। उन्होंने महापौर को बताया कि हाउस टैक्स ठीक करवाने के लिए पहुंची थीं, लेकिन यहां सीढ़ी चढ़ने में उनकी हालत बिगड़ गई। उनका 15 हजार रुपये गृहकर आया था। वापसी में सुरक्षाकर्मियों ने कुर्सी पर बिठाकर रामदुलारी को नीचे पहुंचाया। उन्हें भी समस्या के निस्तारण का आश्वासन मिला। स्टेशन रोड निवासी अशोक कुमार भार्गव ने बताया कि उनकी दुकान वर्ष 2003 से 2013 और 2021 से 2025 तक बंद थी। इस दौरान हाउस टैक्स माफ किया गया था, लेकिन जब दुकान खुली तो डेढ़ लाख रुपये टैक्स लगा दिया गया। हृदयरोगी अशोक कुमार ने बताया कि प्रकरण की 12 फाइलें बन चुकी हैं। इनमें से एक खो भी गई। नगर निगम को इसकी एफआईआर करानी चाहिए। आरोप लगाया कि उनके पिता के जाली दस्तखत भी कर दिए गए। अशोक कुमार ने भी लिफ्ट न चलने की शिकायत की। संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का निस्तारण अब मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम से होगा। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि इसमें शिकायतकर्ताओं के नाम, मोबाइल नंबर और संबंधित विभाग के नाम दर्ज होंगे। संबंधित विभाग के पास शिकायतें जाएंगी, जिसकी ऑनलाइन निगरानी होगी। समस्या के निस्तारण की स्थिति मेयर व नगर आयुक्त ट्रैक कर सकेंगे। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण लिफ्ट काम नहीं कर रही थी। संबंधित कंपनी से जानकारी ली जाएगी। लिफ्ट दो हफ्तों से इसलिए नहीं बन सकी, क्योंकि मेंटेनेंस के लिए आए रेट को लेकर दिक्कतें थीं। नगर आयुक्त का निर्देश मिला है, लिफ्ट जल्द सही कराई जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस में 220 शिकायतें आईं। इनमें गृहकर से जुड़ीं 140 आपत्तियां, जलकल से संबंधित 22 शिकायतें दर्ज की गईं। 58 शिकायतें सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान, सड़क व गली मरम्मत, सीवर व ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण एवं जलापूर्ति से संबंधित प्राप्त हुईं। इनकी भी सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नों या तैयारी संबंधी कंटेंट प्रसारित करने पर होगी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सख्त दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। अगर कोई कंटेंट क्रिएटर, यूट्यूबर आदि सोशल मीडिया पर प्रश्न पत्रों या उनकी सामग्री पर चर्चा, विश्लेषण का प्रसार करता है तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए भर्ती बोर्ड की टीमें सोशल मीडिया की निगरानी कर रही हैं। उप निरीक्षक व समकक्ष पदों पर भर्ती परीक्षा 14 व 15 मार्च को आयोजित होनी है। परीक्षा की शुचिता भंग न हो और किसी तरह की कोई गड़बड़ी की आशंका भी न रहे इसलिए भर्ती बोर्ड ने एडवाजरी जारी की है। बोर्ड के मुताबिक जो भी शख्स सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित

कंटेंट प्रसारित करता पाया जाएगा उसके खिलाफ उप्र सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम–2024 के तहत कार्रवाई की जाएगी। भर्ती बोर्ड ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी व्यक्ति जो परीक्षा सामग्री या उसकी जानकारी को किसी भी रूप में (मौखिक या लिखित इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से) प्रकाशित, पुनरुत्पादित, प्रसारित, संग्रहीत या साझा करते पाया जाएगा तो उस पर कार्रवाई होगी। वहीं परीक्षा केंद्र में दी गई मूल ओएमआर शीट को ले जाते पाया गया या परीक्षा सामग्री को अनधिकृत रूप से कब्जे में रखेगा तो वह भी कानून का उल्लंघन होगा। ऐसे मामलों को गंभीर माना जाएगा। ऐसा करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा से अयोग्य कर दिया जाएगा।

होली मिलन समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग स्थित रवींद्रालय में शुक्रवार को सोनार समाज की ओर से 44वां होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। कलाकारों ने मनमोहक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं,12वीं, स्नातक एवं परास्नातक के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुजीत अलबेला वृंदावन झांकी ग्रुप की ओर से फूलों की होली से हुई। इसके बाद राधा कृष्ण की झांकी और

सुदामाचरित्र की झांकी की प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। लवन्या रस्तोगी, इंजल तिलहरी, वैभवी रस्तोगी, अर्पिता सोनी एवं ईशानी सोनी सहित 20 बच्चों ने नृत्य व गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां पेश कीं। विधायक नीरज बोरा ने संबोधित किया। अध्यक्ष रमेश चंद्र वर्मा ने ओलंपियाड में प्रथम स्थान पाने वाले देवांग वर्मा गोल्ड मेडल दिया। अन्य विद्यार्थियों और बच्चों को सम्मानित किया। संस्था के महामंत्री कृष्ण कुमार वर्मा ने संस्था की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। न्यायमूर्ति रघुनाथ किशोर रस्तोगी, ज्योति सोनी (प्रदेश मंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा) एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश तूफानी कार्यक्रम में शामिल हुए।

लखनऊ में जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के हसनगंज क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले के मामले में थाना हसनगंज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गणेश गेट के पास से पकड़कर उसके खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।पुलिस के अनुसार 1 जनवरी 2026 को सुजीत जोशी ने थाना हसनगंज में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि विपक्षियों ने उसके भाई को घेरकर लोहे की रॉड, लाठी–डंडों और धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शिकायत में बताया गया कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया था। इस संबंध में थाना हसनगंज में मुकदमा अपराध संख्या 01/2026 भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में राहुल जोशी, ललित जोशी, अमित जोशी, अभिजीत जोशी और सुमित जोशी के खिलाफ दर्ज किया गया था।मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए नामजद और वांछित आरोपी अभिजीत जोशी पुत्र अनिल जोशी निवासी जोशी टोला, थाना हसनगंज, लखनऊ को 6 जनवरी 2026 को गणेश गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस ने आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की।पुलिस ने बताया कि इस मामले में अन्य चार आरोपी राहुल जोशी, ललित जोशी, अमित जोशी और सुमित जोशी को पहले ही 1 जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर जिला कारागार भेजा जा चुका है। वहीं गिरफ्तार आरोपी अभिजीत जोशी के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर आयोजन हुआ कार्यक्रम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। रविवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्याधाम पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रियंका (जिलाधिकारी अयोध्या की पत्नी) रहीं ।मुख्य अतिथि के आगमन पर उनका स्वागत डॉ. नम्रता सिंह, अध्यक्ष कल्याणमयी (अयोध्या एयरपोर्ट) एवं कल्याणमयी की अन्य सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया ।कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 11रू00 बजे मुख्य अतिथि के आगमन से हुई। इसके पश्चात वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद केक कटिंग समारोह संपन्न हुआ ।इस अवसर पर हवाई अड्डे पर मौजूद महिला यात्रियों एवं महिला कर्मचारियों को चॉकलेट और गुलाब की कलियां वितरित कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों और कर्मचारियों के लिए रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी की गई ।कार्यक्रम के अंतर्गत महिला कानूनी अधिकारों विषय पर एडवोकेट श्वेता राज सिंह द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया, जिसमें महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ।इस अवसर पर एयरपोर्ट के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा यात्री भी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर महिला सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

’दो दिनों के अथक प्रयास के बाद SDRF ने नहर से बरामद किया राधेश्याम का शव

ब्यूरो चीफ : आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। जिले के कुड़वार थाना क्षेत्र के उत्तर गांव निवासी राधेश्याम साहू (42), जो बीते बृहस्पतिवार से लापता थे, उनका शव शनिवार को टिकरिया पुल के पास नहर से बरामद कर लिया गया है। एसडीआरएफ की टीम ने दो दिनों तक चले सघन सर्च ऑपरेशन के बाद शव को नहर के पुल में फंसी हुई अवस्था में खोज निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राधेश्याम साहू पुत्र मंगरु प्रसाद साहू निवासी उत्तर गांव थाना कुड़वार में सिलाई का काम कर अपना घर चलाते थे। बृहस्पतिवार को वह दुकान से शौच जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटे। चिंतित दुकान मालिक और परिजनों ने जब तलाश शुरू की, तो उनकी मोटरसाइकिल बंधुआ कला थाना क्षेत्र के अलीगंज पुलिस चौकी के अंतर्गत पूरे बेनीराय टिकरिया पुल के मध्य नहर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ी मिली थी। इसी बात को लेकर आशंका जताई जा रही थी कि शौच के बाद पानी छूने के दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नहर में गिर गए होंगे। इसी बात को ध्यान में रखकर पहले स्थानीय गोताखोरों की मदद ली गई, किंतु सफलता न मिलने पर प्रशासन ने एसडीआरएफ टीम बुलाने का निर्णय लिया। स्थानीय प्रशासन द्वारा,शुक्रवार प्रातः 9′00 बजे के करीब अभियान की कमान एसडीआरएफ टीम का नेतृत्व कर रहे श्री नर्मदेश्वर मिश्र को सौंपी। नर्मदेश्वर मिश्र ने शुक्रवार एवं शनिवार दो दिनों तक लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया ।ऑपरेशन के दूसरे दिन शनिवार को लाश बरामदगी के के रूप में सफलता मिली। नर्मदेश्वर मिश्र ने बताया कि ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने जानकारी दी कि शव नहर के पुल के नीचे गहराई में फंसा हुआ था, जिस कारण सटीक स्थान का अंदाजा लगा पाना मुश्किल हो रहा था। लेकिन हमारी टीम ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और दो दिनों के निरंतर परिश्रम के बाद आखिरकार शव को बरामद करने में सफलता प्राप्त की। शव मिलने की खबर जैसे ही गांव पहुँची, परिजनों में चीख–पुकार मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। एसडीआरएफ टीम के इस साहसिक और समर्पित कार्य की स्थानीय प्रशासन व ग्रामीणों ने काफी सराहना की ।

रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास संपन्न

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या ।रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद परिवार द्वारा आयोजित ”रंगोत्सव दृ 2026“ होली मिलन समारोह शनिवार को टिप्सी टाउन, सिविल लाइन स्थित हॉल में हर्षोल्लास और सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ।, जिसमें रोटरी क्लब के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की ।कार्यक्रम में फूलों की होली, संगीत,नृत्य, हाउजी,कपल गेम्स तथा होली धमाका जैसे आकर्षक कार्यक्रमों ने सभी को आनंदित कर दिया। पूरे वातावरण में उत्साह, अपनापन और भाईचारे की भावना देखने को मिली ।इस अवसर पर कपल गेम का संचालन रश्मि केसरवानी द्वारा किया गया, जिसमें देवेश अग्रवाल एवं स्वाति विजेता रहे। लेडीज गेम का संचालन पूनम खत्री ने कराया, जिसमें दीपिका अग्रवाल विजेता रहीं। अर्ली फाइव के विजेता मे संजय अग्रवाल एवं रचना, दीपक मेहरोत्रा एवं रोली,देवेश अग्रवाल एवं स्वाति,नितिन अग्रवाल एवं पूजा तथा जय आहूजा एवं विनिता रही ।वही होली धमाका के विजेता अरुण अग्रवाल एवं वंदना,विपिन बंसल एवं रूबी,शरद खत्री एवं पूनम,अरविंद अग्रवाल एवं अनू व विभूति मोहन एवं मोनिका रही ।इस होली मिलन समारोह के सफल एवं शानदार आयोजन हेतु क्लब अध्यक्ष रो.संजीव सोनी ने सभी सदस्यों और अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि हमारा होली मिलन कार्यक्रम इतनी भव्यता और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। इस उत्सव को अविस्मरणीय बनाने के लिए सभी रोटेरियन मित्रों एवं रोटरी परिवार की भाभियों का विशेष धन्यवाद ।कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का भी उन्होंने आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन राहुल केसरवानी, अतुल पचेरीवाला एवं शरद खत्री को उनके अथक प्रयासों और उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए विशेष साधुवाद दिया गया ।साथ ही संस्थापक अध्यक्ष रोटेरियन अनुराग अग्रवाल का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया,जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। ग्रेटर विंग की अध्यक्षा सपना भाभी जी एवं उनकी समर्पित महिला टीम का भी विशेष धन्यवाद दिया गया, जिनके द्वारा आयोजित मनोरंजक कार्यक्रमों और गेम्स ने उत्सव में चार चाँद लगा दिए ।अंत में अध्यक्ष रो. संजीव सोनी ने सभी सदस्यों का पुनः धन्यवाद देते हुए आशा व्यक्त की कि रोटरी क्लब परिवार का यह स्नेह,एकजुटता और सामंजस्य भविष्य के सभी कार्यक्रमों में इसी प्रकार बना रहेगा ।इस अवसर पर अखिलेश अग्रवाल, मुकेश, अभिषेक सिंह, नितेश रस्तोगी, विकेश अग्रवाल, मोहन माखीजा, पार्थ अग्रवाल, रितेश गोयल, जीतेन्द्र आनंद, प्रतीक रस्तोगी, यश सोनी,जय आहूजा,ऋषि कालरा,नीरज सिंघल, सुनील रस्तोगी, अनुराग गर्ग, अनुराग वैश्य, अभिषेक, आलोक सोनी, ग्रेटर विंग में सोनी सिंह, पूजा, स्नेहा, रूमी पूनम, रूबी, दीपिका, सोनल, अंशिका, मनी कालरा, मोनिका, निमिषा,शालिनी, अंशिका, संगीता,सवी आनंद, छवि अग्रवाल, अनु अग्रवाल,आदि लोग मौजूद रहें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाएं हुई सम्मानित

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या ।अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी सभागार में किया गया ।इस अवसर पर जिला पंचायत की अध्यक्षा रोली सिंह , विधायक राम चंद्र यादव, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह की उपस्थिति रही ।सभागार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया ।कार्यक्रम में आईसीडीएस एवं प्रोबेशन विभाग के कर्मचारी, महिला जिला अस्पताल की सीएमएस,चाइल्ड हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर , जिला सूचना अधिकारी तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं ।सभी अतिथियों ने महिलाओं के सशक्तिकरण, सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए तथा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया. कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।सम्मान प्राप्त करने वाली महिलाओं में विभा सिन्हा वन स्टॉप सेंटर उपनिरीक्षक, सुधा वर्मा महिला आरक्षी, श्वेता तथा सोनल सामाजिक कार्यकर्ता, भारती सिंह, प्रीति,आंगनबाड़ी कार्यकत्री आरती सरोज, प्रियंका मौर्या ममता, उमा रानी, सुमन वर्मा, सोनपति, सुमन तिवारी, सरोज यादव रानी देवी, नीता कुमारी, रमा सिंह शामिल रही।

सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भगवत कथा रविवार से शुभारंभ

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भगवत कथा रविवार को शुभारंभ हुआ ।प्रथम दिन 9 बजे सुबह भारी संख्या में महिलाओं पुरुषों ने कलश यात्रा मे भाग लिया। इस दौरान डीजे की धार्मिक गीतों की धुन पर महिला पुरुष जमकर झूमते रहे ।कथा के सातवें दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है ।जानकारी देते हुए थाना क्षेत्र हैदरगंज पाठखौली ग्राम पंचायत निवासी राष्ट्रीय नाई महासभा अयोध्या के जिला उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र ने बताया कि उनके घर पर श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। जिसमें यजमान के रूप में पिता देवता प्रसाद सेन ,श्रीमती केस कुमारी और कथा व्यास श्याम जी महाराज अयोध्या कथा प्रवचन करेंगे ।कथा के शुभारंभ में स्थापना स्थल से निकली कलश यात्रा का नेतृत्व अधिवक्ता सतीश चंद्र देवरस, भाजपा मंडल प्रभारी के के मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता महेंद्र मिश्रा, सुनील भारती, सतीश कसौधन ,शिवकुमार पाठक ,अधिवक्ता प्रेम बहादुर शर्मा, सरवन कुमार प्रधान संजीत सिंह ,अजय शर्मा ,अनिल सिंह, संतोष शर्मा ,आदित्य पाठक ने किया। कलश यात्रा ब्रह्मा बाबा , धोबिना चौराहा ,हनुमानगढ़ हैदरगंज भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल पटखौली गांव पहुंची ।इस दौरान व्यवस्थापक के रूप में बसंत चंद धनेश चंद्र शेखर अभी रत्नेश अस्मित महेश शर्मा सुखलाल शर्मा आदि रहे । कई घंटो कई किलोमीटर तक चली कलश यात्रा के दौरान डीजे की धुन पर युवा महिला पुरुष जमकर धार्मिक गीतों पर डांस करते रहे। और जोर–जोर से जयकारा लगाते रहे। शांति व्यवस्था के साथ यात्रा कथा प्रारंभ स्थल पर पहुंची जहां कथा व्यास अपनी कथा प्रवचन शुरू कर दी है।

अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ में सम्मिलित 20 से अधिक शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। रविवार को सर्किट हाउस में टेट की अनिवार्यता के खिलाफ निर्णायक संघर्ष हेतु राष्ट्रीय स्तर से निर्देशित क्रमिक संघर्ष के कार्यक्रमों और उसको सफल बनाने की रणनीतियों पर चर्चा हेतु उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अयोध्या संबद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में 9 से 15 मार्च शिक्षक की पाती होंगी ।दूसरे चरण में 13 अप्रैल 2026 मशाल जुलूस व तृतीय चरण 3 मई 2026 को लखनऊ में महारैली आयोजित की जायेगी ।चतुर्थ चरण मानसून सत्र संसद का घेराव व टेट की अनिवार्यता के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के सभी चरणों में पूरी ताकत के साथ संघर्ष करने हेतु संगठनात्मक समन्वय बनाने और एक स्वर में साथ खड़े होकर संघर्ष करने हेतु अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के बैनर तले हुई इस मीटिंग में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अयोध्या के नेतृत्व में हुई ।इस बैठक में जिलाध्यक्ष अवधेश यादव को मुख्य संयोजक सर्वसम्मति से बनाते हुए सम्मिलित सभी संगठनों के जिला अध्यक्षों को जिला संयोजक व जिला मंत्रियों को जिला सह संयोजक सर्वसम्मति से बनाया गया ।टेट की अनिवार्यता के विरोध में संघर्ष के प्रथम चरणषशिक्षक पाती ष्कार्यक्रम की पूरी रणनीति तैयार की गई । प्रत्येक संगठन द्वारा कम से 200 पोस्ट कार्ड महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री,माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री को भेजने हेतु शिक्षकों को प्रेरित करने हेतु दायित्व निर्धारण किया गया ।बैठक की अध्यक्षता पंकज यादव प्रांतीय संयोजक, संचालन अशोक वर्मा जिला मंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा की गई ।इस मौके पर अनिल कुमार प्रजापति ,जिला अध्यक्ष विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोशिएशन ,विजय प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष अटेवा , अमित पांडे जिलाध्यक्ष यूटा,श्यामजी वर्मा जिलाध्यक्ष ,फूल चंद्र सरोज जिला कोषाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अयोध्या ,डॉ विवेक चौधरी जिलामंत्री,दया शंकर भारती,राजेश यादव,,वीरेंद्र प्रताप सिंह विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ,मानवेंद्र वर्मा,राजकुमार वर्मा ,राम सुरेश वर्मा,आदि उपस्थित ने उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किए ।संघर्ष के आह्वान से प्रत्येक शिक्षक को जोड़ने के संकल्प के साथ बैठक का समापन किया गया।

लंबी दूरी के गाड़ियों में अनिवार्य रूप से रखे जाये दो ड्राइवर – ऋतु सिंह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह द्वारा शनिवार को आरटीओ कार्यालय अयोध्या में विभिन्न ट्रांसपोटर्स, डीलर्स, वाहन स्वामियों के साथ एक बैठक की गयी। जिसमें सभी को शासन द्वारा दिये गये दिशा–निर्देशों के बारे में बताया गया व बकाया कर जमा करने, और वाहन के सभी प्रपत्र यथा– परमिट, परमिट अथराइघ्जेशन, पंजीयन, बीमा, फिटनेस, अतिरिक्त कर, पीयूसी, आदि वैध कराने को कहा गया। वाहन स्वामी अपना कर घर बैठे ीजजचेरूध्ध्वंतपअींद.हवअ.पदध् पर जा कर आन–लाइन माध्यम से कर जमा कर सकते हैं ।आरटीओ द्वारा सभी को आयुक्त की अध्यक्षता में आरटीओ अयोध्या द्वारा पूर्व में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों की विस्तार से जानकारी दी गयी ।लंबी दूरी के गाड़ियों में अनिवार्य रूप से 02 ड्राइवर रखें जाय ।काम के घण्टे निर्धारित किये जाय क्योंकि नींद व थकान में गाड़ी चलाने से दुर्घटनाएँ अधिक होती हैं। बसों में एआईएस–052, स्लीपर बसों में एआईएस–119 व स्कूल बसों यानों में निर्धारित मानको का सख्ती से अनुपालन किया जाय ।12 मीटर तक की बस में 04 इमरजेंसी दरवाजे, 12 मीटर से अधिक की स्थिति में 05 इमरजेंसी दरवाजे होने चाहिए, ड्राइवर सीट के पीछे अतिरिक्त लोहे का केबिन, स्लीपर सीटों पर शटर, इमरजेंसी द्वार के आगे या यान में अतिरिक्त सीटें स्लीपर लगवाना न सिर्फ नियमों के खिलाफ हैं वरन ऐसे वाहन स्वामी यात्रियों के जान के साथ खिलवाड़ करने के भी दोषी हैं जिसके विरूद्ध लगातार प्रवर्तन अधिकारी चेकिंग अभियान भी चला रहे हैं। अतः सभी वाहन स्वामियों को अपनी जिम्मेदारी समझकर तत्काल मूल ढाँचे से इतर ऐसे समस्त परिवर्तन तत्काल हटा लेने की अपेक्षा की जाती है। मण्डल के सभी एआरटीओ व आरआई को भी निर्देशित किया गया है कि मानक विरूद्ध वाहनों के पंजीयन और फिटनेस निरस्तध्निलंबित किये जाय व अनफिट कर बकाया वाहनों को नोटिस जारी किये जाय, आरसी का जिला प्रशासन के साथ अनुश्रवण किया जाय। कमर्शिएल लाइसेंस हेतु ड्राइविंग स्कूल द्वारा ली जानी वाली अनुमन्य फीस की जानकारी दी गयी और अनाधिकृत व्यक्तियों के चंगुल में ना फंसने की हिदायत भी दी गयी व सभी चालक सड़क सुरक्षा नियम पालन करें। व्यावसायिक वाहन में सभी वाहन स्वामी व चालक का नाम, मोबाइल नंबर व आधार नंबर अंकित करायें, बसों में पैनिक बटन होने चाहिए व अनिवार्य रूप से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने व स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना सुनिश्वित करें। संभागीय निरीक्षक द्वारा गैंगवे की चौड़ाई व अन्य तकनीकी मानकों के बारें में विस्तार से बताया। ।आरटीओ प्रशासन की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरआई राजीव कुमार, ट्रांसपोटर्स रविन्द्र यादव, सतीश वर्मा, परिवहन निगम के प्रतिनिधि व कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहें।

लखनऊ में कांग्रेस का होली मिलन समारोह, अविनाश पांडे और अजय राय ने दिया प्रेम–सौहार्द का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के पावन पर्व होली के अवसर पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने की। इस अवसर पर कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण विषयक कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। चरक इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में छै सप्त दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत ष्अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवसष पर महिला सशक्तिकरण विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनुराधा त्रिपाठी जी ने महिला सशक्तिकरण एवं समाज में

महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया तथा इस कार्यक्रम कके उद्देश्य को उल्लेखित किया, इसी क्रम मे कार्यक्रम की समन्वयक डॉ इरम दीवा और प्रोग्राम ऑफिसर डॉ सतीश चंद्रा ने महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सहभागिता के प्रति अपने विचारों को साझा किया। कार्यक्रम मे छात्र और छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए तथा महिला अधिकारों एवं समानता पर आधारित ’चलचित्र’ ’–षुंजन सक्सेनाष’ दिखाई गईं, जिससे उपस्थित छात्र–छात्राओं में उत्साह एवं जागरूकता का संचार हुआ। संस्थान के प्राचार्य डॉ अनुराधा त्रिपाठी जी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही महिलाओं को सशक्त बनाया जा सकता है तथा समाज में समान अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में संस्थान के समस्त छै टीम के मेंबर एवं NSS के वॉलंटियर्स छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रोग्राम ऑफिसर डॉ सतीश चंद्रा के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया।

बालिकाओं को अधिक से अधिक शिक्षित करना ही है महिला सम्मान – डीआईओएस

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद अयोध्या के पदाधिकारी ने जिला राजकीय पुस्तकालय में कार्यरत एवं अध्यनरत छात्राओं को बैग स्टेशनरी देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर डीआईओएस डॉ पवन कुमार तिवारी ने कहा कि समाज की सभी वर्गों की सभी बालिकाओं को शिक्षित करना ही महिला सम्मान है। संगठन से मांग है कि सभी विद्यालयों में बालिकाओं के लिए स्वच्छ शौचालय शीतल पेयजल विद्यालय की सभी गतिविधियों में

बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए इस अवसर पर जिला मंत्री आलोक तिवारी ने आस्वस्थ किया कि जल्द ही संगठन के पदाधिकारी विद्यालयों का दौरा करेंगे जहां भी बालिकाओं के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था पेयजल की व्यवस्था नहीं है उसके लिए उस विद्यालय को विधायक निधि से बनवाने के लिए शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी जी से वार्ता की जाएगी संगठन संकल्प लेता है कि जनपद अयोध्या में किसी भी बालिका को शिक्षा से वंचित होने की दशा में संगठन उसकी पूरी शिक्षा व्यवस्था देखेगा इस अवसर पर जिला महानगर अध्यक्ष अनूप पांडे, महानगर मंत्री सत्य प्रकाश, डॉ रंजीत वर्मा, राजेंद्र चतुर्वेदी, अतुल मिश्रा उपस्थित रहे।

दुर्गा बंसल फर्टिलाइजर में हुई चोरी का बीकापुर पुलिस ने खुलासा कर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के मंगारी में स्थित बरसों से बंद पड़े उर्वरक कारखाने दुर्गा बंसल फर्टिलाइजर से हुई चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा ।बीकापुर पुलिस के मुताबिक सिक्योरिटी गार्ड की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध चोरी करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज किया है ।उर्वरक फैक्ट्री दुर्गा बंसल फर्टिलाइजर के सिक्योरिटी गार्ड विशावा जनपद सीतापुर निवासी यज्ञदत्त शुक्ला ने बताया कि वह पिछले कई महीनो से दुर्गा बंसल फर्टिलाइजर मंगारी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है।

आरोप है कि पिछले कई महीनो से फर्टिलाइजर के अन्दर अज्ञात चोरों द्वारा कीमती सामान केबल, इलेक्ट्रीक मोटर, इलेक्ट्रीक पार्ट, व कई मशीनों के पार्ट व पुराने मशीनों के पार्टी की चोरी की जा रही है। बताया कि 3 मार्च को शाम को शाम करीब 4 बजे पड़ोसी गांव परोमा के निवासी इकरामुददीन को उसके एक साथी के साथ फर्टिलाइजर के आस पास घूमते हुए देखा गया था। तथा उसके बाद फर्टिलाइजर से बहुत सारा सामान चोरी हुआ है ।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बीकापुर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सिक्योरिटी गार्ड की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके छानबीन की गई। शनिवार को दुर्गा बंसल फर्टिलाइजर में हुई चोरी का पर्दाफाश करते हुए गिरफ्त में आए परोमा चौरे बाजार निवासी इकरामुद्दीन तथा इनायत नगर कुचेरा निवासी इसरार को गिरफ्तार कर चलान करके न्यायालय भेजा गया। आरोपियों के पास से चोरी के सामान तथा नकदी भी हुई बरामद हुई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।